SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Sambhaji Shahu Chhatrapati.

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (Tripura): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Sambhaji Shahu Chhatrapati.

SHRI RAM NATH THAKUR (Bihar): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Sambhaji Shahu Chhatrapati.

DR. NARENDRA JADHAV (Nominated): Sir, I too associate myself with the concern expressed by Shri Sambhaji Shahu Chhatrapati.

SHRI RANVIJAY SINGH JUDEV (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Sambhaji Shahu Chhatrapati.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Surendra Singh Nagar.

Pending proposals for construction and development of airports

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर : उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आबादी की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य, जिस प्रदेश से इस देश के प्रधान मंत्री भी चुन कर आते हैं, उसमें हवाई अड्डों को विकसित करने के मामले में इस प्रदेश की जो उपेक्षा की जा रही है, उसकी तरफ दिलाना चाहूँगा। जो उपलब्ध आँकड़े हैं, वे बताते हैं कि आबादी की दृष्टि से सबसे बड़े राज्य, उत्तर प्रदेश में मात्र 6 हवाई अड्डे ऐसे हैं, जो operational हैं। अगर आप दूसरे राज्यों की बात करें, तो गुजरात, जहाँ 6 करोड़ की आबादी है, वहाँ 10 एयरपोर्ट्स operational हैं; कर्नाटक में 6 एयरपोर्ट्स operational हैं जहां 6 करोड़ की आबादी है; महाराष्ट्र, जहाँ 7.5 करोड़ की आबादी है, वहाँ 9 एयरपोर्ट्स operational हैं। जहां तक air connectivity की बात है, उसके आँकड़े भी दर्शाते हैं कि उत्तर प्रदेश air connectivity के मामले में भी सबसे पीछे है। इस चीज को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने वाली अखिलेश यादव जी की सरकार ने केन्द्र सरकार को नए हवाई अड्डे विकसित करने के लिए प्रस्ताव भेजे हैं, जिनमें जेवर और आगरा में दो महत्वपूर्ण हवाई अड्डे विकसित करने का प्रस्ताव भी शामिल है।

उपसभापति जी, जेवर का जो प्रस्तावित हवाई अड्डा है, जिसका प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार ने भेजा है, वह देश का ऐसा पहला हवाई अड्डा विकसित करने का प्रस्ताव है, जिसके लिए लैंड पहले से identified है, जहाँ दिल्ली से मेट्रो रेल प्रस्तावित है, जिसके साथ से Delhi-Mumbai Freight Corridor गुजरता है, जो एक्सप्रेस वे पर स्थित है और जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का हिस्सा भी है। इस हवाई अड्डे के बनने से दिल्ली हवाई अड्डे पर जो दबाव है, वह भी निश्चित रूप से कम होगा। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि हवाई अड्डे के मामले में उत्तर प्रदेश के इस पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार ने जेवर और आगरा के हवाई अड्डों के लिए जो प्रस्ताव भेजे हैं,उन्हें केन्द्र सरकार जल्द स्वीकृत करने का काम करे, ताकि उत्तर प्रदेश एयर कनेक्टिविटी के मामले में आगे बढ़ सके।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†چودھری منور سلیم (اترپردیش): مہودے، میں بھی مانّیے سدسیے کے اُلیکھ سے خود کو سمبدھ کرتا ہوں۔

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री दर्शन सिंह यादव (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

महोदय, माननीय मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, बहुत दिनों से यह प्रस्ताव चल रहा है। पहले पिछली सरकार ने भी कहा था कि हम यह कर देंगे, लेकिन जेवर और आगरा में एयरपोर्ट बनने का प्रस्ताव बहुत इम्पॉर्टेंट है। इससे दिल्ली के एयरपोर्ट पर जो लोड है, वह कम होगा और आगरा और टुंडला के बीच में जो एयरपोर्ट प्रस्तावित है, उससे मथुरा और आगरा में जो इंटरनेशनल स्तर के टूरिस्ट आते हैं, उनको बहुत आराम हो जाएगा। वे वहां से सिर्फ 20 मिनट में आगरा और 30 मिनट में मथुरा पहुंच जाएंगे, इतनी अच्छी सुविधा हो जाएगी। इसमें आपका कुछ नहीं जाता है। इसलिए अगर आपकी कृपा हो जाए, तो आप जो भी चाहेंगे, उत्तर प्रदेश सरकार भी इसमें आपकी मदद करेगी। इन दोनों हवाई अड्डों के लिए जो प्रस्ताव है, उसको स्वीकार करने की कृपा करें।

कुछ माननीय सदस्यः महोदय, हम भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करते हैं।

†Transliteration in Urdu script.